'धार्मिक स्थलों के विकास से बढ़ी यूपी की अर्थव्यवस्था'

मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने कहा, वैदिक विज्ञान केंद्र नैमिषारण्य की स्थापना सरकार की महत्वपूर्ण प्राथमिकता वाली परियोजना

जागरण संवाददाता • लखनऊ : मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने कहा कि विश्व में अयोध्या और काशी में सबसे अधिक तीर्थ यात्रियों का आगमन हो रहा है। यह सनातन प्रज्ञा की ओर उन्मुख वैश्विक आकर्षण का साक्षात प्रमाण है। इस प्रज्ञा को परिणाम में बदलने के लिए, संस्थागत प्रयास के लिए, स्थान और स्वरूप को चिह्नित करने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। वैदिक विज्ञान केंद्र नैमिषारण्य जल्द आकार लेगा। धर्मस्थलों के संस्थागत विकास से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में भी अभूतपूर्व वृद्धि हुई है।

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में अंतरराष्ट्रीय वैदिक विज्ञान केंद्र नैमिषारण्य के प्रारूप एवं विकास की रूपरेखा पर आयोजित दो दिनी कार्यशाला के दूसरे दिन का शुभारंभ करके अवनीश अवस्थी ने कहा कि ऐसा ही संस्थान नैमिषारण्य में निर्मित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पूरी दुनिया में आस्था का सबसे बड़ा केंद्र अयोध्या का श्रीराम मंदिर है। वैदिक विज्ञान केंद्र की स्थापना प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण एवं प्राथमिकता वाली परियोजना है। अवस्थी ने कहा कि सभी 15 दिन के भीतर ईमेल के माध्यम से धर्मार्थ कार्य विभाग के संयुक्त निदेशक को अच्छे सुझाव भेजें। संयुक्त निदेशक धर्मार्थ कार्य एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण ने कहा कि श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने काशी विश्वनाथ मंदिर को केंद्र में रखते हुए प्रबंधन व्यवस्था द्वारा लाखों श्रद्धालुओं को प्रतिदिन निर्बाध दर्शन की सुगम व्यवस्था की।

ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी के कार्यकारी निदेशक पंकज गुप्ता ने अपने शोध और संस्था के विकास के अनुभव को साझा करते हुए बताया कि आज के युवा केवल रोजगारपरक अध्ययन में ही आना चाहते हैं। ज्ञान और ज्ञान परक शोध पर नहीं काम करना चाहते। अखिल भारतीय आयुष संस्थान निदेशक डा तनुजा नेसारी ने 'इलनेस से वेलनेस' और 'वेलनेस से हैप्पीनेस' की आयुष परंपरा पर बल दिया। लंदन से आए क्लीनिकल साइकोलाजिस्ट डा दिवाकर सुकुल ने यज्ञ, मंत्र, वाद्य थेरेपी से गंभीर बीमारियों से निदान दिलाने पर प्रस्तुति दी। आइआइटी कानपुर से काजल श्रीवास्तव ने वैलनेस के सिद्धांत पर आधारित आयुर्वेद के प्रमुख चिकित्सा पद्धति नाड़ी परीक्षण पर आधारित बने एप्लीकेशन गार्गी बाट की प्रस्तुति दी। काजल श्रीवास्तव ने मंदिरों में पूर्वकाल में आयुर्वेदिक केंद्र संचालित होने के तथ्य को स्मरण करते हुए पुनः उन्हें संचालित करने की आवश्यकता पर बल दिया। आइआइटी कानपुर के प्रो अशोक खन्ना ने नैमिषारण्य में इन्क्यूबेशन सेंटर बनाने का सुझाव दिया।

समापन सत्र में काशी विद्यापीठ के कुलपति प्रो आनंद के त्यागी, अशोक सिंघल वैदिक शोध संस्थान के निदेशक सच्चिदानम शर्मा, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रो संतोष शुक्ल, वैदिक विज्ञान केंद्र बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के संयोजक प्रो उपेंद्र त्रिपाठी व अन्य ने वैदिक दर्शन और सनातन जीवन पद्धति पर अपनी प्रस्तुति दी। धर्मार्थ विभाग के संयुक्त निदेशक और काशी विश्वनाथ मंदिर के कार्यकारी अधिकारी विश्व भूषण मिश्रा व कार्यशाला के संयोजक सूर्यकांत मिश्रा ने विभिन्न सत्रों का संचालन किया।

मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी का स्वागत करते संयुक्त निदेशक धर्मार्थ कार्य व काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण मिश्र • जागरण

राज्य ललित कला अकादमी द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन करतीं पद्मश्री मालिनी अवस्थी, साथ में अकादमी की निदेशक डा. श्रद्धा शुक्ला व अन्य • जागरण

इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में अंतरराष्ट्रीय वैदिक विज्ञान केंद्र के प्रारूप व विकास की रूपरेखा पर दो दिनी कार्यशाला का समापन

'प्रजा का सुख' मानवीय अर्थव्यवस्था का अंग : प्रो. आलोक

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने मानवीय अर्थव्यवस्था विषयक सत्र में संकट के समय की अर्थव्यवस्था, राजा के धार्मिक न्याय और विवेक तथा समेकित रूप में प्रजा के सुख को संज्ञान में रखने को मानवीय अर्थव्यवस्था का प्रमुख अंग बताया। नयी शिक्षा नीति को विश्वविद्यालय में लागू करते हुए, संस्थागत और शिक्षा में हुए रचनात्मक सुधार तथा प्रभाव को आंकड़ों के माध्यम से चर्चा सत्र में प्रस्तुत किया।

कलाकृतियों में दिखा श्रीराम का जीवन-वृत्त

प्रभु श्रीराम के जीवन-वृत्त पर आधारित कलाकृतियों ने हर मन को प्रभावित किया। प्रदेश की सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत पर आधारित इस चित्र-मूर्ति प्रदर्शनी में छह कलाकारों द्वारा सृजित चित्रों को राज्य ललित कला अकादमी में संरक्षित किया जाएगा। शुक्रवार को इस प्रदर्शनी का अवलोकन मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी व लोक गायिका पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने भी किया। राज्य ललित कला अकादमी व धर्मार्थ कार्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित दो दिवसीय चित्रकला शिविर के अंतिम दिन भी प्रदर्शनी देखने लोग पहुंचे। यहां नैमिषारण्य के धार्मिक महत्व पर आधारित चित्रों का भी सृजन किया गया है। अकादमी की निदेशक डा. श्रद्धा शुक्ला ने अतिथियों को कलाकृतियों की विषय-वस्तु तथा उनकी विशेषताओं के बारे में अवगत कराया।